भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 163
सोमवार, 2 फरवरी, 2026 (13 माघ 1947 (शक)) को दिया जाने वाला उत्तर

नागर विमानन क्षेत्र में सुधार के लिए वैश्विक साझेदारियाँ

163. श्रीमती संगीता यादव:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने नागर विमानन, विमानपत्तन अवसंरचना और विमान संभार-तंत्रों में अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों की संभावनाओं का पता लगाने के लिए विदेशी सरकारों या उद्योग प्रतिनिधियों से संपर्क किया है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) भारत के नागर विमानन विधान, सेवाओं और क्षेत्रीय अभिशासन को आधुनिक बनाने के लिए क्या सुधार किए गए हैं;

(ग) क्या नागर विमानन गतिविधियों को मजबूत करने के लिए तकनीकी या परिचालन संबंधी सुधारों पर विचार किया गया है, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) विमानपत्तनों और विमानन कंपनियों में डिजिटलीकरण, हरित विमानन प्रथाओं और नयाचार को मजबूत करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क): भारत सरकार, नागर विमानन, हवाईअड्डा अवसंरचना और हवाई लॉजिस्टिक्स में अंतर्राष्ट्रीय भागीदारियों का पता लगाने और इसे सुदृढ़ करने के लिए, विदेशी सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और वैश्विक उद्योग प्रतिनिधियों के साथ सक्रियता से कार्यरत है। ये कार्य बहुपक्षीय मंचों, द्विपक्षीय बैठकों, उद्योग कार्यक्रमों और सहयोग, निवेश और अवसंरचना के विकास पर केंद्रित रणनीतिक समझौतों तक विस्तारित हैं। इस प्रकार के संपर्कों के लिए हाल के मंचों में विंग्स इंडिया 2026, 43वां अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (आईसीएओ) महासभा, आईएटीए वार्षिक आम बैठक (एजीएम), आईसीएओ एयर सर्विसेज नेगोशिएशन इवेंट (आईसीएएन) आदि शामिल हैं।

(ख) से (घ): भारत के नागर विमानन क्षेत्र को आधुनिक और मजबूत बनाने के लिए सुधार और प्रोद्योगिकी या परिचालन एक सतत प्रक्रिया है। देशभर के हवाईअड्डों ने डिजिटल, स्वचालन और अवसंरचना-परक हस्तक्षेपों के एक व्यापक मिश्रण को अपनाया है। इनमें चेहरे की पहचान का उपयोग करके निर्बाध, संपर्क रहित यात्री आवाजाही के लिए डिजी यात्रा, ई-बोर्डिंग, ऑटोमेटेड ट्रे रिट्रीवल सिस्टम (एटीआरएस), समय पर निष्पादन में सुधार के लिए हवाईअड्डा-सहयोगात्मक निर्णय लेने (ए-सीडीएम), हवाईअड्डा संचालन में क्रांति लाने और यात्री अनुभव में बदलाव के उद्देश्य से एआई-संचालित डिजिटल ट्विन प्लेटफॉर्म और एयरपोर्ट प्रिडिक्टिव आपरेशन सेंटर (एपीओसी) शामिल हैं, जो हवाईअड्डों पर हवाईअड्डा प्रबंधन और प्रचालन में एक परिवर्तनकारी उन्नयन है।

एएआई कार्गो लॉजिस्टिक्स एंड एलाइड सर्विसेज कंपनी लिमिटेड (एएआईसीएलएएस) ने इंटीग्रेटेड कार्गो मैनेजमेंट सिस्टम (आईसीएमएस) विकसित किया है, जो एक व्यापक डिजिटल

प्लेटफॉर्म है जो एयर कार्गो हितधारकों के लिए ऑनलाइन बुकिंग और इलेक्ट्रॉनिक भुगतान सुविधाओं सहित परिचालन संबंधी कार्यात्मकताएं प्रदान करता है। यह प्रणाली एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स के भीतर कार्गो ट्रैकिंग के साथ-साथ रियल-टाइम स्टेटस अपडेट भी प्रदान करती है।

सरकार ने पारंपरिक एटीएफ में संवहनीय विमानन ईंधन (एसएएफ) के मिश्रण के लिए वर्ष 2027 तक 1%, वर्ष 2028 तक 2% और वर्ष 2030 तक 5% के सांकेतिक लक्ष्यों को मंजूरी दी है, जो प्रारंभ में अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के लिए हैं।

वर्तमान में, देश में 4 हवाईअड्डे, दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद, कार्बन न्यूट्रल हो गए हैं और एयरपोर्ट्स काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई) कार्बन एक्रिडिटेशन लेवल 5 प्राप्त कर चुके हैं।

******